श्री बुधवार की आरती

आरती युगलकिशोर की कीजै |
तन मन धन न्यौछावर कीजै || १ ||
गौरश्याम मुख निरखत रीजै |
हरि का स्वरुप नयन भरि पीजै || २ ||

रवि शशि कोट बदन की शोभा |
ताहि निरखि मेरो मन लोभा || ३ ||
ओढ़े नील पीत पट सारी |
कुंजबिहारी गिरवरधारी || ४ ||

फूलन की सेज फूलन की माला |
रत्न सिंहासन बैठे नन्दलाला || ५ ||
कंचनथार कपूर की बाती |
हरि आए निर्मल भई छाती || ६ ||

श्री पुरुषोत्तम गिरिवरधारी |
आरती करें सकल ब्रज नारी || ७ ||
नन्दनन्दन बृजभान किशोरी |
परमानन्द स्वामी अविचल जोरी || ८ ||

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133